रणजीत टाइम्स

वर्ष : 1, अंक: 115 इंदौर, बुधवार 30 अप्रैल 2025

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

DIGITAL EDITION

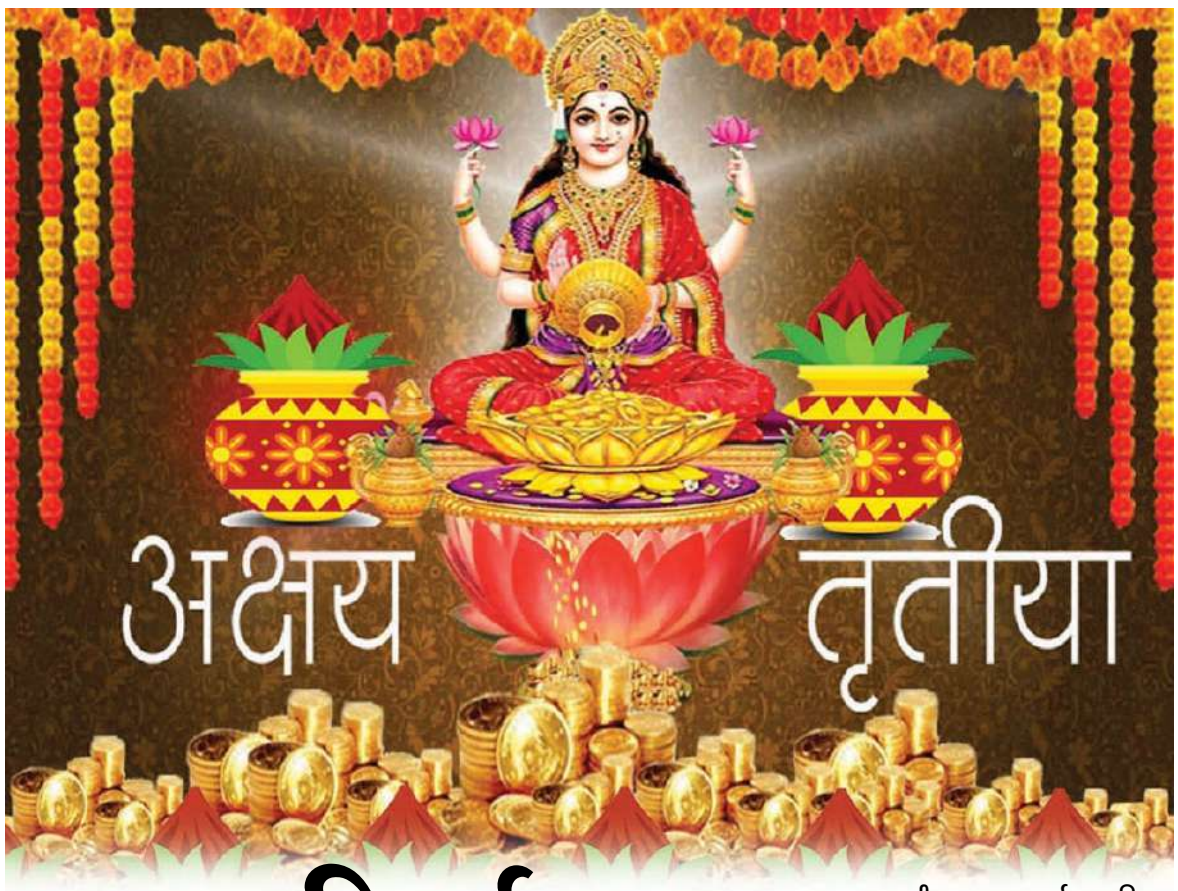

युग परिवर्तन का दिन अक्षय तृतीया

अक्षय तृतीया सनातन धर्म का प्रसिद्ध त्यौहार है जो लोकभाषा में आखातीज या वैशाख तीज के नाम से भी जाना जाता है। यह पर्व हिन्दू धर्म के अलावा जैन धर्म का भी शुभ त्यौहार है। अक्षय तृतीया को भारत और नेपाल में हिन्दुओं व जैनियों द्वारा एक शुभ समय के रूप में मनाया जाता है। ऐसा माना जाता है कि इस दिन जो भी कार्य किये जाते है, उनका अक्षय फल मिलता है, इसलिए इस दिन को अक्षय तृतीय कहा जाता है। अक्षय तृतीया तिथि को अत्यंत सौभाग्यशाली माना जाता है।

हिन्दू पंचांग के अनुसार, प्रतिवर्ष वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को अक्षय तृतीया मनाई जाती है। संस्कृत भाषा में 'अक्षय' का अर्थ आशा, समृद्धि, आनंद और सफलता से होता है, वहीं 'तृतीय' का अर्थ तीसरा होता है। हर माह के शुक्ल पक्ष में तृतीय आती है, लेकिन वैशाख माह के दौरान आने वाली शुक्ल पक्ष की तृतीय को शुभ माना गया है। इस दिन किसी भी कार्य को करने से अक्षय फल की प्राप्ति होती है।

अक्षय तृतीया का महत्व

अक्षय को अमरता या शाश्वत जीवन का प्रतीक माना गया है जो अविनाशी है और तृतीया का अर्थ हिंदू पंचांग के अनुसार तीसरा चंद्र दिवस है। अक्षय तृतीया की तिथि से ही त्रेता और सतयुग का आरम्भ हुआ था और यही कारण है कि इस तिथि को कृतयुगादि तृतीया भी कहते हैं। भविष्य पुराण में अक्षय तृतीया के विषय में वर्णन किया गया है कि इस दिन स्नान, दान, जप, यज्ञ, स्वाध्याय, तर्पण आदि जो भी धार्मिक कार्य किए जाते हैं, वे सब अक्षय हो जाते हैं। यह तृतीया तिथि सम्पूर्ण पापों का नाश करने वाली और समस्त सुखों को प्रदान करने वाली होती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, अक्षय तृतीया के दिन नर-नारायण, परशुराम और हयग्रीव का अवतार हुआ था। इसलिए कुछ लोग नर-नारायण, परशुराम एवं हयग्रीव जी के लिए जौ या गेहूँ का सत्तू, कोमल ककड़ी और भीगी चने की दाल का प्रसाद के रूप में भोग लगाते हैं।

अबूझ मुहूर्त की तिथियों में से एक होती है अक्षय तृतीया की तिथि। इस तिथि पर किये गए प्रत्येक शुभ कार्य में सफलता प्राप्त होती है। किसी भी शुभ कार्य को करने के लिए अक्षय तृतीया के दिन पंचांग देखने की आवश्कता नहीं होती है। इस तिथि में शुभ कार्य करने से कभी भी कार्य निष्फल नहीं होता है। अक्षय तृतीया को सभी तरह के शुभ कार्यों को संपन्न करने के लिए शुभ माना जाता है। धार्मिक अनुष्ठान, गृह प्रवेश, व्यापार, वैवाहिक कार्यक्रम, जप-तप और पूजा-पाठ आदि कार्य करने के लिए अक्षय तृतीया बहुत ही शुभ मानी गई है। यह दिन सर्वसिद्ध मुहूर्त के रूप में जाना जाता है। हिन्दुओं के लिए गंगा स्नान का विशेष महत्व होता है और इस दिन ब्रह्म मुहूर्त में उठकर गंगा स्नान करने के बाद श्रीहरि विष्णु और माता लक्ष्मी की पूजा करनी चाहिए। इन्हे जौ या गेहूं का सत्तू, ककड़ी और चने की दाल अर्पित करें। ब्राहणों को भोजन आदि कराना चाहिए और उनको दान आदि देना चाहिए। ऐसा मान्यता है कि अक्षय तृतीया के दिन पितरों की शांति के लिए किया गया पिण्डदान या किसी भी प्रकार के दान से अक्षय फल की प्राप्ति होती है। पौराणिक मान्यता के अनुसार, इस दिन ही महाभारत के युद्ध की समाप्ति हुई थी, साथ ही द्वापर युग का समापन भी हुआ था।

अक्षय तृतीया से जुड़ी विशेष बातें

- अक्षय तृतीया तिथि पर ही भगवान परशुराम का जन्म हुआ था।
- मां गंगा का धरती पर आगमन अक्षय तृतीया की पावन तिथि पर ही हुआ था।
- चारों धामों में से एक बद्रीनाथ धाम के कपाट भी अक्षय तृतीया के दिन खुलते हैं।
- अक्षय तृतीया पर वृंदावन के बांके बिहारी मंदिर में श्री विग्रह के चरणों के दर्शन होते हैं।
- ऐसा माना जाता है कि सतयुग और त्रेतायुग की शुरुआत अक्षय तृतीया के दिन हुई थी।
- महाभारत ग्रंथ की रचना का आरम्भ महर्षि वेद व्यास ने अक्षय तृतीया के दिन ही किया था।

अक्षय तृतीया की पूजा विधि

अक्षय तृतीया के दिन भगवान विष्णु की पूजा इस प्रकार करें -

- अक्षय तृतीया के दिन व्रत करने वाले मनुष्य को प्रातःकाल स्नानादि कार्यों से निवृत होकर पीले वस्त्र धारण करने चाहिए।
- घर के मंदिर में स्थापित भगवान विष्णु की प्रतिमा पर गंगाजल छिड़कने के बाद तुलसी, पीले फूलों की माला या पीले पुष्प आदि अर्पित करें।
- इसके पश्चात धूप-अगरबत्ती एवं ज्योत प्रज्जवलित करके पीले आसन पर बैठकर विष्णु सहस्त्रनाम या विष्णु चालीसा का पाठ पढ़ने के बाद अंत में विष्णु जी की आरती करनी चाहिए।
- इस दिन भगवान विष्णु के नाम से गरीबों को भोजन कराएं या दान देना अत्यंत फलदायी होता है।

अक्षय तृतीया की पौराणिक कथा

शास्त्रों के अनुसार, भगवान श्रीकृष्ण से धर्मराज युधिष्ठिर ने अक्षय तृतीया के महत्व के बारे में जानने के लिए अपनी इच्छा व्यक्त की थी। उस समय भगवान कृष्ण ने उन्हें बताया कि अक्षय तृतीया परम पुण्यमयी तिथि है। इस दिन दोपहर से पहले स्नान, जप, तप, यज्ञ, स्वाध्याय, पितृ-तर्पण, और दान आदि करने वाला मनुष्य अक्षय पुण्यफल का भागी बन जाता है। प्राचीनकाल में एक गरीब सद्ज्ञान और ईश्वर में आस्था रखने वाला वैश्य था। अपनी गरीबी के कारण वे बहुत ही व्याकुल रहता था। उसे किसी ने अक्षय तृतीया का व्रत करने की सलाह दी। इस पर्व के आने पर उस व्यक्ति ने गंगा में स्नान करने के बाद विधिपूर्वक सभी देवी-देवताओं की पूजा की और दान दिया। यही वैश्य अगले जन्म में कुशावती का राजा बना। अक्षय तृतीया पर किये गए दान एवं पूजा के प्रभाव से वह धनवान तथा प्रतापी बना। यह सब अक्षय तृतीया का ही शुभ पुण्य प्रभाव था।

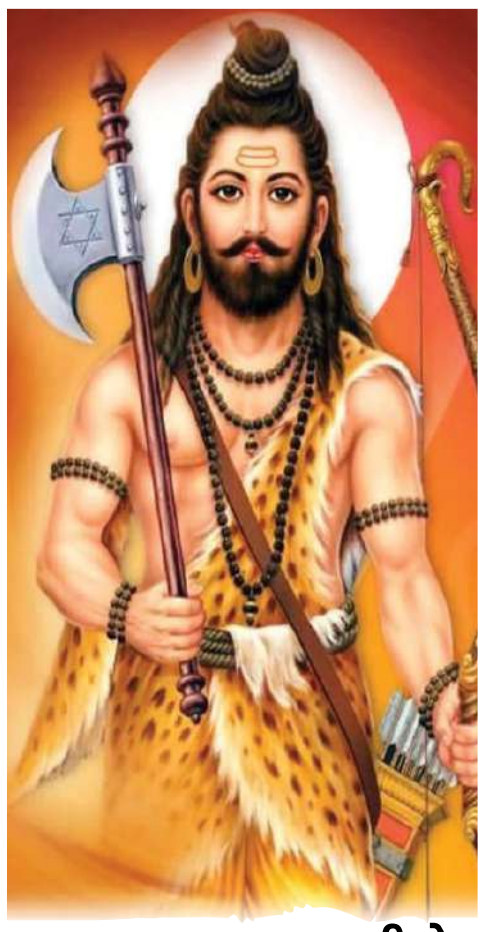

परशुराम जयंती के रूप में मनाई जाती है वैशाख शुक्ल तृतीया

वैशाख शुक्ल तृतीया की परशुराम जयंती एक व्रत एवं उत्सव के रूप में मनाई जाती है। 'भृगुवंश के परशुराम वेदर्षि जमदग्नि एवं इक्ष्वाकू वंश की राजकन्या रेणुका के पुत्र थे। अतः ब्रह्मवर्चस एवं क्षात्रतेज से उद्दीप्त वंश में परशुराम का जन्म हुआ।

परशुराम शंकर को प्रसन्न करने के लिए तपश्चर्या करने गए। उन्होंने अपनी असीम भक्तिसे शिवजी को प्रसन्न कर लिया। इसीलिए शिवजीने उन्हें दिव्य अस्त्रों के साथ-साथ अपना अजेय एवं अभेद्य परशु त्र्यंबकदंड देते हुए आदेश दिया, जाओ आततायी, अनन्य अनाचारी, अत्याचारी, आतंकवादी, आसुरी एवं मदांधों से पृथ्वी को मुक्त करो।' अतः वाल्मीकि ने इसे 'क्षत्रविमर्दन' न कहकर 'राजविमर्दन' कहा है।

अग्रतः चतुरो वेदाः पृष्ठतः सशरं धनुः ।
इदं ब्राह्मं इदं क्षात्रं शापादपि शरादपि ।।

अर्थ - मेरे मुख में चारों वेदों का ज्ञान है तथा पीठपर बाणों का तरकश एवं धनुष्य है। अर्थात क्षात्रतेज एवं ब्राह्मतेज है, इसलिए समय आने पर श्राप से अथवा युद्ध कर संहार करूंगा।

धनुर्विद्याके सर्वोत्तम शिक्षक - एक बार शस्त्र नीचे रखने के पश्चात परशुराम ने क्षत्रियों से बैर भाव छोड दिया। तदुपरांत उन्होंने ब्राह्मण, क्षत्रिय सभी को समभाव से अस्त्र विद्या सिखानी आरंभ की। महाभारत के भीष्माचार्य, द्रोणाचार्य जैसे बडे-बडे योद्धा परशुराम के ही शिष्य थे ।

दानवीर - परशुराम ने क्षत्रिय वध के लिए जो युद्ध किए, उससे उन्हें संपूर्ण पृथ्वी पर स्वामित्व प्राप्त हो गया था । अश्वमेध यज्ञ कर, अंत में यज्ञ के अध्वर्यु कश्यप ऋषि को परशुराम ने सर्व भूमि दान कर दी ।

भूमि की नवनिर्मिति - महर्षि कश्यप यह जानते थे कि परशुरामजी के इस भूमि पर रहते, क्षत्रिय कुल का उत्कर्ष नहीं होगा; अतः उन्होंने परशुरामजी से कहा, 'अब इस भूमि पर मेरा अधिकार है । अतः तुम यहां नहीं रह सकते हो ।' तब परशुरामजी ने समुद्र हटाकर अपना क्षेत्र निर्माण किया । वैतरणा से कन्याकुमारी तक के भूखंड को परशुराम क्षेत्र की संज्ञा दी गई है ।

एमपी की नई ट्रांसफर पॉलिसी को मंजूरी, प्रदेश में 1 से 30 मई तक होंगे तबादले

शेष पेज 3 पर

भोपाल। मुख्यमंत्री मोहन यादव की अध्यक्षता में भोपाल में केबिनेट की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। इस बैठक में राज्य के किसानों, कर्मचारियों और ग्रीन एनर्जी से जुड़े कई अहम मुद्दों पर फैसले लिए गए। नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने बैठक की जानकारी देते हुए बताया कि कैबिनेट ने नई तबादला नीति को मंजूरी दे दी है, जिसके तहत अब विभिन्न विभाग अपनी स्वयं की तबादला नीति बना सकेंगे, लेकिन इसकी जानकारी सामान्य प्रशासन विभाग को देना अनिवार्य होगा। नई नीति के अनुसार तबादले 1 मई से 30 मई के बीच किए जा सकेंगे। यह प्रक्रिया ई-ऑफिस प्रणाली के तहत होगी। तबादले स्वेच्छा और प्रशासकीय आधार पर हो सकेंगे। पदों की संख्या के अनुसार तबादले की अधिकतम सीमा तय की गई है। तबादला नीति के अनुसार 200 पद तक 20 प्रतिशत, 201 से 1000 पद 15 प्रतिशत, 1000 से 2000 पद 10 प्रतिशत और 2000 से अधिक 5 प्रतिशत पद है। राज्य सरकार ने पराली जलाने की समस्या को गंभीरता से लेते हुए सख्त कदम उठाने का निर्णय लिया है। पराली जलाने वाले किसानों की एक वर्ष की सम्मान निधि रोकी जाएगी। ऐसे किसानों के अनाज की सरकारी खरीदी भी एक वर्ष के लिए बंद कर दी जाएगी।

हज 2025

इंदौर से मक्का-मदीना रवाना हुए हाजियों और महिला हाजियों का भव्य स्वागत समारोह संपन्न

इंदौर से मक्का और मदीना हज यात्रा के लिए रवाना हो रहे हाजियों और महिला हाजियों के सम्मान में आज एक भव्य स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम सर्व धर्म संघ के अध्यक्ष श्री मंजूर बैग के निवास स्थान पर आयोजित हुआ, जहां बड़ी संख्या में समाजजन और हाजी उपस्थित रहे। मध्य प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने पुष्प वर्षा कर तथा गुलदस्ते भेंट कर हाजियों का सम्मान किया। उपस्थित जनसमूह ने हाजियों से अपील की कि वे मक्का और मदीना में भारत की एकता, भाईचारे और देश की समृद्धि के लिए विशेष दुआ करें। कार्यक्रम का माहौल उत्साहपूर्ण और भावनात्मक रहा, जहां अपनों को विदा करते समय परिजनों और मित्रों ने उन्हें दुआओं के साथ रवाना किया। समारोह में संस्था अध्यक्ष श्री मंजूर बैग के साथ रियाज खान, शकील खान, समीर बैग, मुकेश बजाज, नासिर बैग, एजाज कुरैशी, रवीश पचौरी, यूनुस खान, फारुक खान, इलियास खान, हसीब परवेज हनफी, परवेज कुरैशी, फैजान बैग सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। आपका मंजूर बैग संस्था अध्यक्ष सर्वधर्म संघ 29 अप्रैल 2025

कनाडिया पुलिस की बड़ी कामयाबी

बाइक चोर गिरफ्तार, चोरी की मोटरसाइकिल बरामद

इंदौर। शहर में बढ़ती चोरी, लूट और डकैती की घटनाओं के मद्देनजर पुलिस कमिश्नर श्री संतोष सिंह एवं अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर श्री अमित सिंह के निर्देश पर इंदौर पुलिस द्वारा अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में जोन 2 के पुलिस उपायुक्त श्री अभिनय विश्वकर्मा के मार्गदर्शन एवं अति. पुलिस उपायुक्त श्री अमरेन्द्र सिंह और सहायक पुलिस आयुक्त श्री कुंदन मंडलोई की देखरेख में एक विशेष कार्ययोजना बनाई गई। इस योजना के तहत थाना कनाडिया पुलिस ने वाहन चोरी के एक मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर एक मोटरसाइकिल बरामद की है, जिसकी अनुमानित कीमत एक लाख रुपये बताई जा रही है।

घटना का विवरणः

दिनांक 24 अप्रैल 2025 को फरियादी सुमित पटेल, निवासी ग्राम हरनखेड़ा, ने थाना कनाडिया में रिपोर्ट दर्ज कराई कि 23 अप्रैल को जब वह सेवाकुंज हॉस्पिटल, ग्राम कनाडिया में काम पर गया था, तब उसने अपनी मोटरसाइकिल पार्किंग में खड़ी की थी। शाम को ड्यूटी समाप्त होने के बाद जब वह वापस आया तो उसकी मोटरसाइकिल गायब थी।

मामले में थाना कनाडिया पर अपराध क्रमांक 214/25 धारा 303(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच प्रारंभ की गई। विवेचना के दौरान घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई, जिसमें एक संदिग्ध युवक दिखाई दिया। हुलिए के आधार पर एक टीम का गठन कर उसकी तलाश शुरू की गई। पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी की पहचान अंकित चौहान (पिता स्व. जसवंत सिंह चौहान, उम्र 27 वर्ष), निवासी ग्राम सेमलियाचाउ, थाना खुड़ैल के रूप में की। पूछताछ में आरोपी ने सेवाकुंज हॉस्पिटल की पार्किंग से मोटरसाइकिल चोरी करना स्वीकार किया। आरोपी से अन्य वाहन चोरी के मामलों में भी पूछताछ जारी है

सफलता में टीम की सराहनीय भूमिकाः

इस सफल कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक सहर्ष यादव, प्र. आर. 1221 किशोर सावलिया, प्र. आर. 838 योगेश झोपे, प्र.आर. 3837 अनिल झा, आर. 3588 मनोज पटेल, आर. 1196 जंगजीत जाट, आर. 1358 अमित भदौरिया, आर. 1651 सुभाष राजौरिया और आर. 2635 ओमप्रकाश नरवरिया की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इंदौर पुलिस की इस तत्परता से शहरवासियों में सुरक्षा को लेकर विश्वास बढ़ा है और यह कार्रवाई वाहन चोरों के लिए सख्त संदेश मानी जा रही है।

शिवपुरी में भैंसों से भरी दो पिकअप पकड़ीः दो दर्जन से ज्यादा मवेशियों को बूचड़खाने ले जाने की थी तैयारी

ऋषि गोस्वामी

शिवपुरी में सोमवार रात पुलिस ने दो पिकअप वाहनों को अवैध मवेशी भरकर ले जाते पकड़ा। बजरंग दल की सूचना पर पुलिस ने यह कार्रवाई की। पुलिस ने दोनों वाहनों को जब्त कर लिया है। घटना ईदगाह के अंदर की है । बजरंग दल के जिला मंत्री विनोद पुरी गोस्वामी एवं विभाग संयोजक उपेन्द्र यादव के अनुसार, ईदगाह के अंदर से मवेशियों को अवैध रूप से बूचड़खाने ले जाने की शिकायतें लगातार मिल रही थीं। सोमवार को मिली शिकायत के अनुसार टीम जब पहुंची तो दो वाहनों में लगभग दो दर्जन से ज्यादा भैंसों को ठूंस-ठूंसकर भरा था। पुलिस ने दोनों पिकअप वाहनों को जब्त कर लिया।

सरकारी जमीन पर अवैध गतिविधियां - यादव

यादव ने बताया कि यहां की सरकारी जमीन का इस्तेमाल अवैध गतिविधियों के लिए हो रहा है। प्रशासन ने आंदोलन और शिकायतों के बाद ईदगाह क्षेत्र में सरकारी जमीन पर बनी अवैध दुकानों को तोड़ा था। लेकिन वहां का मलबा अभी तक नहीं हटाया गया है। उन्होंने कहा कि सरकारी जमीन पर फिर से अवैध कब्जा कर लिया गया है। इसी की आड़ में यहां से अनैतिक गतिविधियां चल रही हैं।

रणजीत टाइम्स
इंदौर, शनिवार 29 मार्च 2025
03
DIGITAL EDITION

एमपी में 1 मई से 30 दिन तक होंगे तबादले

● डॉ. मोहन कैबिनेट में पॉलिसी को मिल गई मंजूरी ● मंत्री और प्रभारी मंत्रियों को मिल गया है अधिकार

भोपाल। मध्यप्रदेश की डॉ. मोहन यादव कैबिनेट की मंगलवार को हुई बैठक में एक मई से 30 मई तक तबादले करने को हरी झंडी मिल गई है। जीएडी के प्रस्ताव पर कैबिनेट ने जो तबादला नीति मंजूर की है, उसमें कुल तबादलों में स्वैच्छिक तबादलों को भी जोड़ा जाएगा।

विभाग खुद भी तबादला नीति बना सकेंगे और इसके लिए जीएडी से अनुमति लेंगे। कैबिनेट के फैसलों की जानकारी देते हुए नगरीय विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि तबादला नीति को मंजूरी दे दी है। 30 मई तक ई आफिस में सारे ट्रांसफर लागू होंगे। इसके बाद तबादले नहीं हो सकेंगे। इसलिए मंत्रियों से कहा गया है कि वे तीस मई के पहले सभी तबादला आदेश जारी कर दें। इसके लिए तबादला प्रस्तावों में भी बदलाव किया गया है। कैबिनेट ने तबादला नीति में जो प्रस्ताव तय किए हैं उसके अनुसार मंत्री और प्रभारी मंत्री तबादले कर सकेंगे।

चंबल में लगेगा तीन हजार मेगावाट का सोलर पार्क, यूपी को देंगे बिजली- मंत्री विजयवर्गीय ने कहा कि ग्रीन एनर्जी पर फोकस मोहन सरकार ने किया है। इसलिए एमपी और यूपी सरकार की बिजली डिमांड को ध्यान रखते हुए प्लान तैयार किया गया है। एमपी में बरसात में बिजली की डिमांड कम हो जाती है जबकि यूपी में बरसात के दौरान डिमांड बढ़ जाती है। मंत्री विजयवर्गीय ने कहा कि कैबिनेट ने तय किया है कि तीन हजार मेगावाट का सोलर प्लांट लगाया जाएगा। एक हजार मेगावाट कंपोजिट प्लान में रहेगी जबकि 2 हजार मेगावाट यूपी को दी जा सकेगी। यह प्लांट चंबल में लगाया जाएगा। केंद्र सरकार की यूनिफाइड पेंशन योजना (यूपीएस) के लिए छह अधिकारियों की कमेटी बनी है। यह कमेटी कर्मचारियों के लिए वैकल्पिक रूप पेंशन स्कीम का प्रस्ताव तैयार करेगी। इस कमेटी में अशोक बर्णवाल, मनीष रस्तोगी, लोकेश जाटव, तन्वी सुंद्रियाल, अजय कटेसरिया, जेके शर्मा इस कमेटी में शामिल हैं। कमेटी भारत की गाइडलाइन का अध्ययन कर रिपोर्ट देगी।

यूनियन कार्बाइड फैक्ट्री के आसपास के 42 इलाकों में पानी प्रदूषित

● 23 इलाकों में जांच जारी,14 मोहल्लों के भूजल में मिला कार्बाइड का जहर

भोपाल। भोपाल के जेपी नगर में यूनियन कार्बाइड फैक्ट्री के आसपास के 42 इलाकों में भूजल प्रदूषित है। 4 दिन पहले 19 इलाकों में पानी की जांच की गई थी। बाकी बचे 23 इलाकों में मंगलवार को जांच टीम पहुंची। जिनमें डीआईजी बंगला क्षेत्र भी शामिल है। इस दौरान गैस पीड़ित संगठनों के पदाधिकारी भी मौजूद हैं। निरीक्षण कार्य शाम तक चलेगा। प्रदूषित मोहल्लों में यह निरीक्षण सुप्रीम कोर्ट के 30 अगस्त 2018 के आदेश पर गठित निगरानी समिति के निर्देश पर किया जा रहा है। इससे पहले, 25 अप्रैल को भोपाल जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव सुनीत अग्रवाल की अध्यक्षता में 19 मोहल्लों का निरीक्षण किया गया था। भोपाल ग्रुप फॉर इनफॉर्मेशन एंड एक्शन की संयोजक रचना ढिंगरा ने बताया कि फैक्ट्री के आसपास के 14 मोहल्लों के भूजल में कार्बाइड के जहर (हैवी मेटल्स, कीटनाशक और परसिस्टेंट ऑर्गेनिक पॉल्यूटेंट्स) पाए गए थे। इसके बाद सभी मोहल्लों में पाइपलाइन के जरिए साफ पानी उपलब्ध कराने के आदेश दिए गए।

'पहलगाम' तनाव के बीच अब सेना में बड़े बदलाव

● नर्मदेश्वर तिवारी नए एयरफोर्स वाइस चीफ बने, एक मई को संभालेंगे पदभार ● लेफ्टिनेंट प्रतीक शर्मा नॉर्दन आर्मी कमांडर होंगे, पाक-चीन बॉर्डर की जिम्मेदारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम हमले के बाद बने तनाव के बीच भारतीय सेना में बड़े बदलाव हुए हैं। एयर मार्शल नर्मदेश्वर तिवारी भारतीय वायुसेना के नए वाइस चीफ होंगे। वे 1 मई को एयर मार्शल सुजीत पुष्पाकर धारकर की जगह लेंगे। धारकर 30 अप्रैल को 40 साल से ज्यादा की सर्विस के बाद रिटायर्ड हो रहे हैं। लेफ्टिनेंट जनरल प्रतीक शर्मा नॉर्दन आर्मी कमांडर बने हैं। वे लेफ्टिनेंट जनरल एमवी सुचिंद्र कुमार की जगह पद संभालेंगे। भारतीय सेना की नॉर्दन आर्मी के पास जम्मू-कश्मीर के पश्चिम में लाइन ऑफ कंट्रोल (एलओसी) और पूर्व में लद्दाख से लगने वाली चीन बॉर्डर की रक्षा की जिम्मेदारी होती है। इनके अलावा, तीनों सेनाओं के कॉर्डिनेशन के लिए बने इंटीग्रेटेड डिफेंस स्टाफ में भी नए चीफ ऑफ स्टाफ कमेटी की नियुक्ति होगी। एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित 1 मई से सीआईएससी पद का कार्यभार संभालेंगे। वे 30 अप्रैल को रिटायर्ड होने वाले लेफ्टिनेंट जनरल जेपी मैथ्यू की जगह लेंगे।

लेफ्टिनेंट जनरल प्रतीक शर्मा भारतीय सेना के एक अनुभवी और प्रतिष्ठित इन्फैंट्री अधिकारी हैं, जिनका सैन्य करियर तीन दशकों से भी अधिक समय में फैला है। उन्होंने विभिन्न चुनौतीपूर्ण अभियानों में भाग लिया है, जिनमें ऑपरेशन पवन (श्रीलंका में भारतीय शांति सेना का मिशन), ऑपरेशन मेघदूत (सियाचिन ग्लेशियर अभियान), ऑपरेशन रक्षक (कश्मीर में आतंकवाद विरोधी अभियान) और ऑपरेशन पराक्रम (2001 संसद हमले के बाद सीमा पर तैनाती) शामिल हैं। उत्तरी कमान को पाकिस्तान के साथ नियंत्रण रेखा और चीन के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा पर भी चौकसी रखनी होती है, ऐसे में उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण और संवेदनशील होगी। प्रतीक शर्मा इससे पहले डायरेक्टर जनरल मिलिट्री ऑपरेशंस, मिलिट्री सेक्रेटरी ब्रांच में वरिष्ठ पदों और हाल ही में सेना मुख्यालय,नई दिल्ली में वॉरफेयर के महानिदेशक रह चुके हैं।

● अहमदाबाद के मिनी बांग्लादेश में सबसे बड़ा बुलडोजर ऐक्शन

अवैध निर्माण के खिलाफ 50 जेसीबी और 2000 पुलिसकर्मी रहे तैनात

● अहमदाबाद में अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों के खिलाफ बड़ा अभियान शुरू

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात के अहमदाबाद नगर निगम ने मंगलवार को अवैध निर्माण के खिलाफ सबसे बड़ा अभियान चलाया है। एएमसी ने चंदोला झील के पास अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों को हटाने के लिए यह अभियान शुरू किया है। यह कार्रवाई एक सर्वे के बाद की गई। सर्वे में पता चला कि इलाके में अवैध निर्माण हुआ है। यह निर्माण मुख्य रूप से सियासतनगर बंगाल वास में हुआ है। यहां कई बांग्लादेशी नागरिक रह रहे थे। पूरे गुजरात में अवैध प्रवासियों पर एक बड़ी कार्रवाई चल रही है। उमरगाम पुलिस ने सात बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़ा है। वडोदरा पुलिस ने 500 से अधिक संदिग्ध

बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़ा। अहमदाबाद पुलिस ने लालू बिहारी के खिलाफ एफआईआर दर्ज किया है। लालू बिहारी पर अवैध प्रवासियों के लिए फर्जी दस्तावेज बनाने का आरोप है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि सियासतनगर बंगाल वास एक बस्ती के रूप में कार्य करता था। जहां अधिकांश बांग्लादेशी घुसपैठिए रहते थे।

हमले के बाद भारत की जवाबी कार्रवाई से डर गया पाकिस्तान

● लॉन्चिंग पैड से 30-50 आतंकियों को हटाकर बंकरों में भेजा

श्रीनगर (एजेंसी)। पहलगाम अटैक के जवाब में भारत के संभावित हमले को देखते हुए पाकिस्तान ने एलओसी के पास से आतंकियों को हटने का आदेश दिया है। ये इलाके कश्मीर में घुसपैठ के लिए जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा के आतंकियों के लॉन्चिंग पैड माने जाते हैं।

पाकिस्तानी सेना को डर है कि भारत इन ठिकानों को निशाना बना सकता है। अभी तक कितने आतंकियों को हटाया गया है, इसकी सटीक संख्या सामने नहीं आई है। लेकिन रिपोर्ट्स के मुताबिक यह संख्या 30-50 के बीच हो सकती है। पाकिस्तानी सेना ने इन आतंकियों को अपने बंकरों और सुरक्षित ठिकानों में शिफ्ट किया है। सूत्रों के अनुसार, ये लॉन्चिंग पैड दुधनियाल, अथमुकाम, लीपा, फॉरवर्ड कहूटा और कोटली जैसे एलओसी के पास के इलाकों में हैं। इधर, जम्मू-कश्मीर सरकार ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद सभी ट्रेकिंग

एक्टिविटीज पर रोक लगा दी है। सुरक्षा एजेंसियों को आशंका है कि दक्षिण और उत्तर कश्मीर के कई ट्रेकिंग रूटों पर आतंकियों की आवाजाही होती है।

"अक्षय तृतीया

नई शुरुआत और अनंत संभावनाओं का पर्व"

गोपल गावंडे

(प्रधान संपादक, रणजीत टाइम्स)

अक्षय तृतीया भारतीय संस्कृति का एक ऐसा पर्व है, जो न केवल शुभता और समृद्धि का प्रतीक है, बल्कि हर व्यक्ति को जीवन में नई राहें अपनाने की प्रेरणा भी देता है। "अक्षय" का अर्थ है — जो कभी क्षय न हो। इस दिन किया गया कोई भी शुभ कार्य — चाहे वह व्यापार हो, निवेश हो, शिक्षा हो या सेवा — अक्षय पुण्यफल देने वाला माना गया है। वर्तमान दौर में जब समय की गति तेज हो गई है और परिवर्तन की लहरें चारों ओर हिलोरें ले रही हैं, अक्षय तृतीया हमें स्थिरता, आशा और निरंतर प्रगति का संदेश देती है। यह दिन जीवन में नए संकल्प लेने, अपने लक्ष्यों को फिर से परिभाषित करने और उन्हें दृढ़ता से पाने का अवसर है।

आज का समय सिर्फ व्यक्तिगत विकास का नहीं, बल्कि सामूहिक उन्नति का है। परिवार, समाज और राष्ट्र — तीनों स्तर पर हमें एक नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ना चाहिए। अक्षय तृतीया का सच्चा अर्थ तभी सार्थक होता है जब हम अपनी व्यक्तिगत सफलताओं के साथ समाज के विकास में भी भागीदार बनें। रणजीत टाइम्स परिवार इस पावन अवसर पर अपने सभी पाठकों, सहयोगियों और शुभचिंतकों को हार्दिक शुभकामनाएं देता है।

ईश्वर से प्रार्थना है कि आपके जीवन में भी सौभाग्य, समृद्धि और सफलता अक्षय बनी रहे।

चौंकाने वाला

खुलासा !

फाइनेंस फ्रॉड का नया चेहरा – "विशाल कटवानी" कर रहा है करोड़ों की ठगी, नकली पहचान से फंसा रहा लोगों को जाल में !

रंजीत टाइम्स

इंदौर की एक प्रतिष्ठित कंपनी के साथ फाइनेंस के नाम पर भारी धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। आरोपी विशाल कटवानी, जो खुद को अहमदाबाद का निवासी बताता है, भोले-भाले लोगों से संपर्क कर उन्हें सस्ते ब्याज दर (1%) पर लोन दिलाने का झांसा देता है।

फर्जीवाड़े की परतें खुलीं जांच में:

आधार कार्ड फर्जी और डुप्लीकेट निकला

मोबाइल नंबर किसी और के नाम पर

दस्तावेज़ों में दिया पता भी गलत

असल पता: C-501, Satyamev Royal, Ahmedabad, Gujarat

पहचान छुपाने के लिए बदलता रहता है ठिकाना

फ्रॉड करने का शातिर तरीका:

"Shivay Electronics" नाम की फर्जी कंपनी का हवाला देता है

पहले आपकी प्रॉपर्टी देखने का बहाना करता है

Rado घड़ी, सोने की चेन, ब्रांडेड कपड़े पहनकर अमीर दिखने की कोशिश करता है

होटल में मीटिंग करता है ताकि विश्वास पैदा हो

फिर फर्जी ऑनलाइन रसीद भेजकर 50,000 से 9.5 लाख तक की ठगी करता है, रकम मिलते ही मोबाइल नंबर बंद, और हो जाता है गायब

अब तक का नुकसान:

इंदौर की एक कंपनी से इस व्यक्ति ने 10 लाख की ठगी की है। कई और मामलों में यह आरोपी पहले से ही सक्रिय रहा है।

जनता से विशेष अपील: किसी भी अनजान व्यक्ति को पैसा न दें आधार कार्ड, मोबाइल नंबर और पते की पूरी जांच अवश्य करें यदि यह व्यक्ति आपके संपर्क में आता है या कहीं दिखाई दे, तो तुरंत सूचना दें

आपात संपर्क नंबर: 9827068888

नोट:- इस आरोपी की फोटो और फर्जी आधार कार्ड ऊपर प्रकाशित किया गया है। कृपया इसे ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाएं और एकजुट होकर इस जैसे फर्जीवाड़ा करने वालों को बेनकाब करें।

प्रदेश में अगले 4 दिन तक बदला रहेगा मौसम का मिजाज

भोपाल। मध्य प्रदेश में दो तरह के मौसम देखने को मिल रहा हैं। जहां कई जगह बारिश ओले पड़ रहे है तो वहीं कई जिलों में तेज गर्मी लोगों को परेशान कर रही है। मौसम विभाग ने मध्यप्रदेश में अगले 4 दिन, 2 मई तक बारिश का अलर्ट जारी किया है। पूर्वी और दक्षिणी हिस्से जैसे-नर्मदापुरम, रीवा, सागर, जबलपुर और शहडोल संभाग में सबसे ज्यादा असर रहेगा। मौसम विभाग के अनुसार, मंगलवार को पूर्वी हिस्से के 6 जिलों में बारिश हो सकती है। इनमें शहडोल, उमरिया, अनूपपुर, डिंडौरी, मंडला और बालाघाट शामिल हैं। इधर, उज्जैन और ग्वालियर-चंबल संभाग में गर्मी का असर तेज रह सकता है। भोपाल, इंदौर संभाग के शहरों में भी पारा 42 डिग्री के आसपास ही रहेगा।

इसलिए बदला प्रदेश का मौसम: मौसम विभाग की सीनियर वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया कि साइक्लोनिक सर्कुलेशन एक्टिव है। वहीं, दो टर्फ एक्टिव है। इस वजह से सोमवार को कई जिलों में बारिश का दौर रहा। ऐसा ही मौसम मंगलवार को भी बना रहेगा। यहां गरज-चमक के साथ तेज आंधी भी चल सकती है। 1-2 मई को भी नए सिस्टम की वजह से बारिश होने के आसार है।

आंधी और बारिश के बीच सोमवार को मध्यप्रदेश में गर्मी का असर भी तेज रहा। ग्वालियर में पारा 44 डिग्री पहुंच गया। एक ही दिन में 3.5 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी हुई। भोपाल, इंदौर, ग्वालियर और उज्जैन के साथ प्रदेश के 17 शहरों में दिन का तापमान 40 डिग्री के पार रहा। मौसम विभाग के अनुसार, रतलाम का तापमान 44 डिग्री दर्ज किया गया, धार में 42.9 डिग्री, नरसिंहपुर में 42.2 डिग्री, खंडवा में 42.1 डिग्री, खरगोन-गुना में 42 डिग्री, शाजापुर में 41.4 डिग्री, सागर-नौगांव में 41.1 डिग्री, दमोह, रायसेन-खजुराहो में 41 डिग्री और नर्मदापुरम में 40.6 डिग्री रहा। बड़े शहरों की बात करें तो उज्जैन में सबसे ज्यादा 42 डिग्री, भोपाल में 41.2 डिग्री, इंदौर में 41.4 डिग्री, ग्वालियर में 41.8 डिग्री और जबलपुर में पारा 38.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया

अगले तीन दिन ऐसा रहेगा प्रदेश का मौसम

30 अप्रैल-ग्वालियर, भिंड, दतिया, मुरैना, श्योपुर,गुना, नीमच, मंदसौर, आगर-मालवा, रतलाम, झाबुआ, अलीराजपुर, इंदौर, देवास, खरगोन और खंडवा में लू चलने का अलर्ट है। छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी, मंडला और बालाघाट में गरज-चमक के साथ बारिश हो सकती है। 30 अप्रैल-ग्वालियर, मुरैना, श्योपुर, शिवपुरी, दतिया,भिंड में दिन में लू चलेगी, जबकि रात में हल्की बारिश हो सकती है। अशोकनगर, गुना, नीमच, मंदसौर, आगर-मालवा, रतलाम, झाबुआ, अलीराजपुर, इंदौर, देवास, खरगोन, खंडवा एवं बुरहानपुर में लू चल सकती है। रीवा, मऊगंज, सीधी और अनूपपुर में बूंदाबांदी के आसार है।
2मई-इंदौर, देवास, खंडवा, बुरहानपुर, खरगोन,अलीराजपुर, झाबुआ, रतलाम, नीमच, मंदसौर, गुना, अशोकनगर में लू का अलर्ट है। वहीं, ग्वालियर, श्योपुर, मुरैना, भिंड, दतिया में दिन में लू और रात में बारिश हो सकती है।

एमपी देश का पहला राज्य, जहां जंगल पर कब्जे और कटाई का मिलेगा तुरंत अलर्ट, एआई-आधारित रियल-टाइम सिस्टम लागू

भोपाल। मध्य प्रदेश ने वन संरक्षण में ऐतिहासिक कदम उठाते हुए देश का पहला एआई - आधारित रियल-टाइम वन अलर्ट सिस्टम लागू किया है. यह सिस्टम सैटेलाइट इमेज, मोबाइल फीडबैक और मशीन लर्निंग की मदद से वनों में अतिक्रमण, अवैध भूमि उपयोग और पर्यावरण क्षरण का पता लगाएगा. यह पायलट प्रोजेक्ट शिवपुरी, गुना, विदिशा, बुरहानपुर और खंडवा के संवेदनशील वन क्षेत्रों में शुरू किया गया है, जहां अतिक्रमण और पेड़ कटाई की घटनाएं सामने आई हैं. भविष्य में इसे पूरे राज्य में लागू करने की योजना है. गुना के डिवीजनल फॉरेस्ट ऑफिसर अक्षय राठौर द्वारा प्रस्तावित यह सिस्टम गूगल अर्थ इंजन पर आधारित है, जो सैटेलाइट डेटा का विश्लेषण कर भूमि उपयोग में बदलावों की पहचान करता है. हर बदलाव की सूचना मोबाइल ऐप के जरिए फील्ड स्टाफ को भेजी जाती है, जो मौके पर जाकर सत्यापन करता है. राठौर ने बताया कि यह पहली बार है जब सैटेलाइट, एआई और फील्ड फीडबैक को एक सतत प्रक्रिया में जोड़ा गया है, जो समय के साथ बेहतर होती जाएगी. सिस्टम में 20 से ज्यादा विशेषताएं शामिल हैं, जैसे तक्क्-टैग फोटो, वॉयस नोट्स, जियो-फेंसिंग और दूरी माप. यह NDVI, SAVI, EVI जैसे सूचकांकों के साथ डेटा को और समृद्ध करता है. हेड ऑफ फॉरेस्ट फोर्स असीम श्रीवास्तव और आईटी के अतिरिक्त प्रधान मुख्य वन संरक्षक बीएस अन्निगेरी के नेतृत्व में लागू इस सिस्टम से वन कर्मचारियों को तुरंत कार्रवाई करने में मदद मिलेगी. प्रत्येक अलर्ट को डैशबोर्ड पर लाइव मॉनिटर किया जा सकता है, जिसमें तारीख, घनत्व और क्षेत्र के आधार पर फिल्टर उपलब्ध हैं. वन विभाग के अफसरों का कहना है कि यह सिस्टम वन प्रबंधन को और प्रभावी बनाएगा, जिससे वनों की सुरक्षा और संरक्षण में मध्य प्रदेश अग्रणी बन सकेगा.

एमपी सरकार के सामने बड़ा धर्मसंकट- पाकिस्तानी पिता और इंडियन मां के 9 बच्चे, केंद्र से मांगी सलाह

भोपाल। जम्मू-कश्मीर में हुए आतंकी हमले के बाद भारत सरकार पाकिस्तान के खिलाफ सख्त कदम उठा रही है। सरकार देश में रह रहे पाकिस्तानी नागरिकों को वापस भेजने की तैयारी कर रही है। इस बीच, मध्य प्रदेश में एक अनोखा मामला सामने आया है, यहां पाकिस्तानी पिताओं और भारतीय माताओं से पैदा हुए 9 बच्चों को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है। सरकार यह तय नहीं कर पा रही है कि इन बच्चों को पाकिस्तान भेजा जाए या भारत में ही रहने दिया जाए। इसके साथ ही, एक पाकिस्तानी नागरिक ने 25 अप्रैल को लॉन्ग टर्म वीजा के लिए आवेदन किया है, जिस पर भी सरकार को फैसला लेना है।

9 बच्चों पर सरकार को लेना है फैसला: मध्य प्रदेश में 9 बच्चे ऐसे हैं जिनके पिता पाकिस्तानी हैं और माताएं भारतीय। अब सवाल यह है कि इन बच्चों का क्या किया जाए। क्या इन्हें पाकिस्तान भेजा जाए या फिर भारत में ही रहने दिया जाए? अधिकारी भी इस बात को लेकर परेशान हैं।

केंद्र सरकार से मांगी सलाह: एक बड़े अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि उन्होंने भारतीय माताओं और पाकिस्तानी पिताओं से पैदा हुए 9 बच्चों के बारे में केंद्र से सलाह मांगी है। इनमें से चार बच्चे इंदौर में अपनी माताओं के पास हैं। तीन बच्चे जबलपुर में हैं और दो भोपाल में हैं। इसके साथ ही, उन्होंने उस व्यक्ति के बारे में भी सलाह मांगी है जिसने 25 अप्रैल को लॉन्ग टर्म वीज़ा के लिए आवेदन किया है।

कश्मीरी छात्रों की सुरक्षा के आदेश: खबर है कि मध्य प्रदेश सरकार ने कश्मीर से आए छात्रों की सुरक्षा के निर्देश दिए हैं। केंद्र सरकार के आदेश के अनुसार, इन 9 बच्चों समेत मध्य प्रदेश के कुल 14 लोगों को देश छोड़ना था। हालांकि, इनमें से तीन लोग भारत छोड़कर पाकिस्तान चले गए हैं। एक व्यक्ति किसी काम से दिल्ली में है। एक अन्य अधिकारी के मुताबिक, मध्य प्रदेश में अलग-अलग तरह के वीजा पर 228 पाकिस्तानी नागरिक रह रहे हैं।

तय समय से पहले नहीं छोड़ा तो गिरफ्तारी: केंद्र सरकार ने सोमवार को कहा था कि जो भी पाकिस्तानी नागरिक तय समय सीमा के अंदर भारत नहीं छोड़ेंगे, उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा। उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। ऐसे लोगों को तीन साल तक की जेल हो सकती है, या उन पर 3 लाख रुपये तक का जुर्माना लगाया जा सकता है, या फिर दोनों सजाएं दी जा सकती हैं।

अलग-अलग वीजा की अलग डेट: गृह मंत्रालय के आदेश के अनुसार, सार्क वीजा रखने वालों को 26 अप्रैल तक भारत छोड़ना था। जिनके पास आगमन पर वीजा, व्यापार, फिल्म, पत्रकार, पारगमन, सम्मेलन, पर्वतारोहण, छात्र, आगंतुक, समूह पर्यटक और तीर्थयात्री वीजा हैं, उन्हें 27 अप्रैल तक भारत छोड़ना था। इसके अलावा, पाकिस्तान के अल्पसंख्यकों को दिए जाने वाले समूह तीर्थयात्री वीजा रखने वालों को भी 27 अप्रैल तक देश छोड़ना था, जिनके पास मेडिकल वीजा है, उन्हें 29 अप्रैल तक देश छोड़ना है। गृह मंत्रालय ने यह भी कहा है कि किसी भी पाकिस्तानी नागरिक को कोई नया वीजा जारी नहीं किया जाएगा।

भाजपा राज में दलितों पर अमानवीय अत्याचार: अंतिम संस्कार के अधिकार से भी वंचित किया जा रहा है – जीतू पटवारी

विजयपुर से आ रही खबरें अत्यंत पीड़ादायक और लोकतंत्र की आत्मा को झकझोरने वाली हैं। भाजपा शासित प्रदेश में आज दलित और वंचित वर्ग न केवल अपने बुनियादी अधिकारों से वंचित हैं, बल्कि अब उन्हें मृत्युपरांत भी अपमानित किया जा रहा है। विजयपुर में रामनिवास रावत के इशारे पर दलित जाटव समाज के लोगों को अपने स्वजन का अंत्येष्टि संस्कार करने से जबरन रोका गया। यह कृत्य न केवल भारतीय संविधान का घोर अपमान है बल्कि मानवता के खिलाफ भी एक शर्मनाक अपराध है। पटवारी ने तीखे शब्दों में भाजपा सरकार और रामनिवास रावत पर हमला करते हुए कहा जिस पार्टी के नेता दिन-रात %सबका साथ, सबका विकास% का नारा देते हैं, उसी के राज में वंचित वर्ग के लोगों को अंतिम संस्कार तक का हक छीना जा रहा है। यह भाजपा का असली चेहरा है – सत्ता का घमंड, जातीय भेदभाव और लोकतांत्रिक मूल्यों का अपमान। उन्होंने कहा कि विजयपुर में जो हुआ वह कोई साधारण घटना नहीं, बल्कि एक सोची-समझी साजिश है, जिसके पीछे कांग्रेस छोड़कर भाजपा में आए नेता रामनिवास रावत का सीधा हाथ है। विधानसभा उपचुनाव में हार से बौखलाए रामनिवास रावत अपनी कुंठा और नफरत को दलित समाज पर निकाल

रहे हैं।

सवाल उठते हैं-

- प्रशासन रामनिवास रावत जैसे नेताओं के सामने इतना लाचार क्यों है?
- क्या भाजपा के नेताओं के लिए संविधान और कानून के पालन की कोई बाध्यता नहीं है?
- क्या दलितों के अधिकार सिर्फ नारों और घोषणाओं तक सीमित रह गए हैं?

जीतू पटवारी ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से सीधा सवाल किया कि मोहन यादव जी, क्या आपके नेतृत्व में प्रदेश में अब इतना पतन हो गया है कि दलित समाज के शवों के साथ भी अन्याय और अपमान का व्यवहार होगा? क्या यह वही रामराज्य है जिसकी आप कल्पना करते हैं?÷ उन्होंने आगे कहा कि ÷क्या हिंदू समाज में हरिजन और दलित भाई नहीं हैं? यदि हैं, तो फिर इस उत्पीड़न पर आपकी चुप्पी किसकी सहमति दर्शाती है?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भी सवाल उठाते हुए जीतू पटवारी ने कहा कि मोदी जी, आपके अच्छे दिन का यही रूप है? जहां एक मृतक को भी सम्मान से विदाई नहीं मिलती? क्या यही सबका विकास है, सबका विश्वास है?

मांगे

1. तत्काल प्रभाव से दोषियों पर कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए।
2. दलित समाज को सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित किया जाए।
3. प्रशासनिक अधिकारियों की निष्पक्षता की उच्चस्तरीय जांच हो
4. रामनिवास रावत पर संविधान विरोधी गतिविधियों के तहत मुकदमा दर्ज किया जाए।

कांग्रेस का संकल्प

जीतू पटवारी ने जोर देकर कहा कांग्रेस पार्टी सदैव संविधान, लोकतंत्र और सामाजिक न्याय के मूल्यों के साथ अडिग खड़ी रहेगी। हम दलितों, वंचितों और शोषितों के सम्मान के लिए हर स्तर पर संघर्ष करेंगे। भाजपा की दमनकारी नीतियों का डटकर विरोध करेंगे और देश के हर नागरिक को उसका संवैधानिक अधिकार दिलाकर रहेंगे।

नगर निगम के डंपर ने छह साल की मासूम को रौंदा, गुस्साए लोगों ने की तोड़फोड़

महापौर ने जताया शोक और की आर्थिक सहायता की घोषणा, दोषियों पर होगी सख्त कार्रवाई

इंदौर। इंदौर के मूसाखेड़ी क्षेत्र में नगर निगम के डंपर ने घर के बाहर खेल रही छह साल की बच्ची को रौंद दिया। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद चालक डंपर छोड़कर भाग गया। नाराज लोग उसे पकड़ने भी दौड़े थे। बाद में लोगों ने डंपर में तोड़फोड़ कर दी। मौके पर पहुंच कर पुलिस ने डंपर जब्त कर लिया। अब चालक की खोजबीन की जा रही है। मूसाखेड़ी क्षेत्र में घर के बाहर निहारिका नामक छह साल की बच्ची साइकिल चला रही थी। तब सड़क से नगर निगम का एक डंपर तेज गति से आया। बच्ची घबरा गई और वह साइकिल सहित गिर पड़ी। चालक को वह नजर नहीं आई और डंपर बच्ची को रौंदता हुआ आगे बढ़ गया। लोगों ने हादसा देखा तो डंपर को रोका। चालक को तब भी पता नहीं चला कि पहिए के नीचे आने से एक बच्ची की मौत हो गई है। बाद में चालक और डंपर में सवार निगम का कर्मचारी भाग गया। आक्रोशित लोगों ने डंपर पर पत्थर बरसाने शुरु कर दिए। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। लोगों को कहना है कि निर्माण कार्य के कारण सड़क पर जगह नहीं बची है। फिर भी यहां से भारी वाहन निकलते रहते है। हमेशा हादसे का डर बना रहता है। लोगों ने चालक को गिरफ्तार करने की मांग भी की। पुलिस डंपर जब्त कर थाने ले गई। चालक पर गैर इरादतन हत्या का केस दर्ज कर लिया गया है। उसकी तलाश की जा रही है।

आर्थिक सहायता की घोषणा

घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने दिवंगत बालिका के परिवार के प्रति अपनी संवेदना प्रकट की और कहा कि नगर निगम परिवार इस दुख की घड़ी में पीड़ित परिवार के साथ खड़ा है। महापौर ने निर्देशित किया है कि पीड़ित परिवार को ?2 लाख की आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। साथ ही, महापौर ने स्पष्ट किया कि यदि दुर्घटना में ड्राइवर की लापरवाही या डंपर की खराब स्थिति पाई जाती है, तो नियमानुसार सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

भीषण गर्मी में आधे इंदौर में नहीं चले नल, लोग पानी को तरसे

इंदौर। भीषण गर्मी के दौर में नगर निगम ने मंगलवार को जल संकट की सौगात भी दी है। पश्चिम क्षेत्र में नलों से पानी का वितरण नहीं हो सका। नल नहीं चलने के कारण आधे इंदौर में भीषण जल संकट रहा। बताया जाता है कि नर्मदा प्रोजेक्ट के पंप बंद हो जाने के कारण पश्चिम क्षेत्र की करीब डेढ़ दर्जन टंकियां खाली रह गई। कुछ टंकियां में पानी पहुंच भी तो नहीं के बराबर। इससे लोग इंतजार करते रहे लेकिन नलों से पानी नहीं आया। कुछ लोगों ने नर्मदा प्रोजेक्ट के अधिकारियों को फोन लगाए और अधिकांश लोगों ने वैकल्पिक व्यवस्था कर दिनचर्या को सुचारू करने की कोशिश की है। इधर, सूत्र बताते हैं कि टैंकरों की संख्या बढ़ाने के लिए कृत्रिम रूप से जल संकट पैदा करने की साजिश रची जा रही है। जानकारी अनुसार मंगलवार पश्चिमी शहर में नलों से जल आपूर्ति का दिन था, लेकिन आज नालों से सप्लाई नहीं हो सकी। इसका कारण बताया जा रहा है कि जलूद स्थित नर्मदा प्रोजेक्ट के पंप बंद हो गए। इस कारण पानी इंदौर नहीं पहुंच सका। पानी नहीं पहुंचने के कारण से पश्चिमी शहर की डेढ़ दर्जन से अधिक टंकियां आज खाली रह गई। नल नहीं चलने के कारण पश्चिम क्षेत्र की टंकियां से जुड़े सैकड़ों कॉलोनियों के लोगों को पानी की वैकल्पिक व्यवस्था करना पड़ी। लोगों ने पास पड़ोसी स्थित बोरिंगों से पानी की व्यवस्था की वहीं कुछ लोगों ने महंगे टैंकर भी खरीद कर पानी की व्यवस्था की है। उधर नर्मदा प्रोजेक्ट के अधिकारी और नगर निगम के झोनल ऑफिस पर जब लोगों ने फोन लगाया तो एक ही जवाब सुनने को मिल रहा था कि पंप नहीं चले इस कारण पानी नहीं सप्लाई हो सका है। लोगों ने जब टैंकर से पानी भेजने की मांग की तो बताया गया कि अपना नाम और पता लिख दें नंबर आने पर टैंकर भेज दिया जाएगा। हालांकि यह नहीं कोई बता पाया कि टैंकर आज पहुंच भी पाएगा या ऐसे ही दिन निकल जाएगा।

गर्मियों में टैंकरों से भी नहीं हो पा रही जलापूर्ति: गर्मी के समय हर वर्ष शहर में जल संकट की स्थिति बनती है। इस वर्ष भी ऐसा ही हो रहा है। दूसरे शब्दों में कहा जाए तो शहर वासियों को गर्मी के समय इस प्रकार की स्थिति का सामना करने की एक तरह से आदत बन चुकी है। जैसी स्थिति जल संकट की आज बनी है ऐसी हर वर्ष गर्मी में कई बार बनती है, लोग नगर निगम अधिकारियों को फोन लगाते हैं और अगले दिन से फिर अपनी दिनचर्या में वैसे ही व्यस्त हो जाते हैं।

पुराने टैंकर होंगे बंद, जीपीएस आधारित व सोलर टैंकरों का होगा संचालन : महापौर

इंदौर। महापौर पुष्यमत्र भार्गव ने बताया कि नगर निगम द्वारा उपयोग किए जा रहे पुराने टैंकरों को चरणबद्ध रूप से हटाकर, जीपीएस व फिटनेस आधारित आधुनिक टैंकरों का संचालन किया जाएगा। बुधवार, अक्षय तृतीया के शुभ

अवसर पर सुबह 8ः00 बजे राजवाड़ा से मध्य इंदौर क्षेत्र में नई ईवीआधारित कचरा गाड़ियाँ शुरू की जाएंगी। इस अवसर पर सौर ऊर्जा से संचालित टैंकरों को भी शामिल किया जाएगा और हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया जाएगा। महापौर ने बताया कि इंदौर शहर में वर्तमान में पानी की आपूर्ति 50 एमएलडी कम है, जिससे गर्मियों में बोरिंग और कॉलोनियों में पानी का संकट उत्पन्न हो जाता है। उन्होंने कहा कि पानी के उपलब्ध संसाधनों के वितरण की मॉनिटरिंग रोज़ाना की जा रही है, और जनता से अपील की कि अनावश्यक मोटर उपयोग बंद करें ताकि सभी तक पानी पहुँच सके।उन्होंने यह भी कहा कि जल संकट से निपटने हेतु सभी स्तरों पर प्रयास जारी हैं और जनता से सहयोग अपेक्षित है।

बीजेपी नेताओं के नाम पर धमकाकर 51 लाख से ज्यादा की धोखाधड़ी करने वाले व्यापारी के खिलाफ केस दर्ज

इंदौर। सराफा पुलिस ने बीजेपी नेताओं के नाम पर लोगों को धमकाने वाले एक सोना-चांदी व्यापारी के खिलाफ 51 लाख रुपए से ज्यादा के आभूषणों के नाम पर धोखाधड़ी करने के मामले में केस दर्ज किया है। आरोपी काफी समय से व्यापारियों पर बीजेपी नेताओं के नाम से दबाव बना रहा था। इस मामले की शिकायत पुलिस कमिश्नर से की गई थी। शिकायत के बाद टीआई ने जांच कर आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया। टीआई सुरेंद्र सिंह रघुवंशी के मुताबिक, विशाल पुत्र अवध बिहारी गुप्ता निवासी जीसीएस स्कीम नंबर 78 की शिकायत पर सोमवार रात अभिषेक पुत्र अनिल कुमार जैन निवासी 70 बड़ा सराफा के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज किया गया है। आरोपी जेम्स ज्वेलर्स के नाम से काम करता है। उसने सोने के बिस्कुट में हेराफेरी कर विशाल बिहारी को बीजेपी नेताओं के नाम से धमकाकर झूठे केस में फंसाने की धमकी दी थी। टीआई रघुवंशी ने बताया कि विशाल इन्वेस्टमेंट का काम करता है। जेम्स एंड ज्वेलर्स के अभिषेक जैन को 2022 से जानते हैं। उसने व्यापारिक संबंध में इन्वेस्ट करने की बात कर लालच दिया। वह मोबाइल पर ज्वेलरी के फोटो और वीडियो भेजने लगा। किफायती दामों पर सोना-चांदी दिलवाने की बात करता था। 4 फरवरी 2025 को अभिषेक से विशाल ने कॉल कर सोने के बिस्किट और चांदी के भाव के बारे में जानकारी ली। इसके बाद अगले दिन तीन सोने के बिस्किट और 25 किलो चांदी का भाव पूछा गया। इसमें 51 लाख से अधिक का बिल बना, जो अभिषेक के यश बैंक के अकाउंट में डाला गया।

बिल मांगते ही अभिषेक ने शुरू की आनाकानी

टीआई रघुवंशी ने बताया कि दो दिन तक लगातार अकाउंट में 40 लाख का पेमेंट वापस आया। जब अभिषेक से पूछा तो उसने केवाईसी अपडेट नहीं होने की बात कहते हुए रिटर्न रुपए आने की बात कही। इसके बाद 5 लाख रुपए उसने 6 फरवरी को नकद लेकर अपने पास रख लिए। 10 फरवरी को अभिषेक ने एसबीआई का अकाउंट दिया, जिसमें 42 लाख रुपए ट्रांसफर किए। अभिषेक से सौदे का बिल मांगा तो वह आनाकानी करने लगा। बिल भेजने पर उसने तीन प्रतिशत रुपए जोड़े। पूछताछ करने पर उसने बताया कि जब वह माल वापस बेचेगा तो उसमें डेढ़ लाख का पेमेंट जोड़कर वापस कर देगा। उसने कहा कि अगले दिन सुबह खजराना गणेश पर मिलना। 11 फरवरी की सुबह पुष्य नक्षत्र योग में जब विशाल वहां पहुंचे तो दो चांदी के हाथी बिना वजन कराए दे दिए। उनकी जब शुद्धता की जांच कराई गई तो वह 62 और 59 प्रतिशत ही निकली, जबकि अभिषेक ने बिल पर 99 प्रतिशत शुद्धता अंकित करते हुए चांदी का बिल सौंपा था। वहीं बाद में तीन सोने के बिस्किट और बाकी की चांदी मांगी तो अभिषेक आज-कल करने लगा। इसके बाद 22 फरवरी को अभिषेक की दुकान पर पहुंचने पर विशाल ने सोने के बिस्किट और चांदी मांगी तो उसने कहा कि चार दिन बाद आना। तब विशाल ने कहा कि अगर बाकी का सोना और चांदी नहीं दी तो वह पुलिस में शिकायत करेगा। इसके बाद विशाल शॉप से चला गया। फिर विशाल को सराफा थाने से कॉल आया और उनके खिलाफ शिकायत होने की बात कही गई। 23 फरवरी को दोनों के बीच समझौता हुआ, जिसमें अभिषेक ने 25 फरवरी को अपने मनमाफिक बिल दे दिया। इसमें तीन सोने के बिस्किट दिए गए और 5 लाख नकदी दी गई, लेकिन 24 किलो से ज्यादा चांदी नहीं दी गई। पूर्व में दी गई चांदी की शुद्धता में भी धोखाधड़ी की गई थी। इसके बाद लगातार अभिषेक मोबाइल पर बीजेपी नेताओं के नाम से कॉल कर धमकी देने लगा। मामले में कमिश्नर संतोष सिंह को शिकायत की गई। इस पर आरोपी पर केस दर्ज किया गया।

अब लाड़ली लक्ष्मियों के नाम पर लगाए जाएंगे पेड़

जिला प्रशासन 2 मई को मनाएगा उत्सव, मुख्यमंत्री के निर्देश, पंचायतों का होगा सम्मान

इंदौर। मुख्यमंत्री मोहन यादव के निर्देश पर लाड़ली लक्ष्मियों का उत्सव मनाया जा रहा है, जिसके तहत अब लाड़लियों के नाम पर शहर के पर्यावरण को सुरक्षित किया जाएगा। हर लाडली के नाम पर एक पेड़ रोटेट किया जाएगा। इंदौर जिले में लगभग दो लाख से अधिक लाड़ली लक्ष्मी बेटियां है। जिला प्रशासन 2 मई को विशेष उत्सव की तैयारियों में जुट गया है। एक पेड़ लाड़ली लक्ष्मी के नाम अभियान के तहत जिला प्रशासन के अधिकारी कर्मचारी सहित जमीनी अमला और अभिभावक मिलकर पौधारोपण करेंगे। बेटियों को सम्मान, शिक्षा, आत्मनिर्भरता दिलाने के लिए यह पहल की जा रही है, जिसके तहत सभी लाड़लियों को योजना के प्रावधान के अनुसार 18 साल तक विशेष राशि उपलब्ध कराई जा रही है। ज्ञात हो कि अब इस योजना के तहत पंजीकृत की गई बालिकाओं की पॉलिसी मेच्यौर होने की कगार पर है, जिसके तहत 6टी व 12वीं क्लास में प्रवेश लेने वाली बालिकाओं को भी इसका लाभ दिलाया जाना है, जिसके लिए अधिकारी सूची तैयार कर रहे हैं। महिला एवं बाल विकास विभाग के अंतर्गत संचालित की जा रही इस योजना के आयोजन में स्थानीय प्रतिनिधि लाड़ली बालिकाएं, उनके अभिभावक और लाड़ली क्लब के अध्यक्ष और सदस्य विशेष रूप से भाग लेंगे।

लाड़ली फेंडली पंचायतों का होगा सम्मान

मुख्यमंत्री यादव के अनुसार लाड़ली लक्ष्मी योजना मध्यप्रदेश सरकार की बेटियों के प्रति समर्पित सोच है। जिसके तहत हर बेटी का सम्मान, शिक्षा, और आत्मनिर्भरता के लिए अवसर प्रदान करने के लिए शुरू की गई है। इस कार्यक्रम के तहत कन्या पूजन, अपराजिता कार्यक्रम के अंतर्गत मार्शल आर्ट्स का प्रदर्शन किया जाएगा। ग्राम पंचायत स्तर पर बेटियों का सम्मान होगा। कार्यक्रम में उत्कृष्ट उपलब्धि करने वाली बालिकाओं को तथा लाड़ली लक्ष्मी फ्रैंडली पंचायतों को सम्मानित किया जाएगा. इसके बाद जनप्रतिनिधि बालिकाओं के साथ मिलकर पौधारोपण करेंगे। मध्यप्रदेश में 2007, 1 अप्रैल को बालिकाओं के संरक्षण के लिए लाडली लक्ष्मी योजना शुरू की गई थी, जिसके तहत बालिग होने के बाद विवाह और शिक्षित होने तक की शर्त रखी गई थी। छठवीं से बारहवीं तक पास होने पर बच्चियों को राशि उपलब्ध कराए जाने के लिए प्रमाण पत्र वितरित किए गए थे। 2 मई को होने वाले आयोजन में जनप्रतिनिधि नवीन लाडली लक्ष्मियों को प्रमाण-पत्र भी प्रदान करेंगे। अधिकारियों ने इसके लिए विशेष तैयारियां शुरू कर दी है।

तलावली चांदा से अरण्डिया तक बनेगी सड़क, सफर होगा आसान

इंदौर। इंदौर में जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट और महापौर पुष्यमित्र पुष्यमित्र भार्गव ने सांवेर विधानसभा क्षेत्र में आने वाले वार्ड क्रमांक 36 में लगभग साढे तीन करोड रुपये लागत की सडक का भूमिपूजन किया। यह सड़क तलावली चांदा से अरण्डिया तक बनेगी। इसकी लंबाई 2 किलोमीटर रहेगी। यह नवंबर 2025 तक कम्पलीट हो जायेगी। मंत्री सिलावट ने कहा है कि, सांवेर विधानसभा के चारों दिशाओं में विकास के पंख लगे हैं। सांवेर विधानसभा क्षेत्र का चहुमुखी विकास किया जा रहा है। इस सड़क के बनने से कासा ग्रीन, अंसल, आइरिस, संगरिला, स्मार्ट होम, कासा विला, बालाजी, शिखरजी, सतगुरू जैसी 15 टाउनशिप के 15 हजार लोगों को लाभ होगा। इस सड़क पर एपीजे अबुल कलाम यूनिवर्सिटी भी है जिसका लाभ सैकड़ों छात्रों को मिलेगा जो बस और बाइक से पढ़ने आते-जाते है। एबी रोड से बायपास होते हुए इन्दौर शहर में आ सकते है। वर्तमान में यह रोड 4 मीटर चौड़ा है, जो अब 8 मीटर चौड़ा हो जायेगा, जिससे आवागमन आसानी से होगा। सिलावट ने कहा कि, अंसल, कासा ग्रीन और संगरिला टाउनशिप के लोगों ने काम की गारंटी देने को कहा था कि, आप गारंटी दो कि यहाँ के लोगों को आप सड़क, बिजली, पानी देंगे यहां के लोग इतने खुश है कि यहां एक नहीं 20 टाउनशिप बन गई। मैंने आते ही सबसे पहले तलावली तालाब का सौंदर्यीकरण कराया जिससे पानी मिला, सड़क की लाईट बनवाई और डामर रोड बनवाया लेकिन बडे-बडे डम्पर के कारण यह रोड खराब हो गई, अब सीमेंट की बनायेगे जो खराब नहीं होगी।

आईपीएल 2025

वैभव बने टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे कम उम्र के शतकवीर

नई दिल्ली, एजेंसी। 14 साल के वैभव सूर्यवंशी को अगर छोटा पैकेट बड़ा धमाका कहा जाए तो गलत नहीं होगा। जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में राजस्थान रॉयल्स और गुजरात टाइटंस के बीच सोमवार शाम को खेले गए मैच में सूर्यवंशी का बल्ला ऐसा चला कि हर कोई उनका दीवाना बन गया। 14 साल की उम्र में वैभव ने महज 35 गेंदों में शतक जड़कर आईपीएल की रिकॉर्ड बुक को हिलाकर रख दिया। आइए, जानते हैं वैभव सूर्यवंशी ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ खेले गए मुकाबले में कौन-कौन से कीर्तिमान को ध्वस्त किया। दरअसल, वैभव सूर्यवंशी आईपीएल के इतिहास में सबसे तेज शतक लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं।

उनसे पहले ये कारनामा राजस्थान रॉयल्स की तरफ से खेलते हुए युसूफ पठान ने किया था, जिन्होंने 37 गेंद पर शतक लगाया था। हालांकि, वैभव ने युसूफ के रिकॉर्ड को तोड़ते हुए महज 35 गेंदों में ही ये कीर्तिमान अपने नाम कर लिया। आईपीएल में सबसे तेज शतक लगाने के मामले में वैभव के आगे अब सिर्फ क्रिस गेल हैं, जिनके नाम 30 गेंदों में शतक जड़ने का रिकॉर्ड दर्ज है। इसके अलावा, वैभव ने टी20 में सबसे कम उम्र के शतकवीर खिलाड़ी बनने का गौरव हासिल किया है। सूर्यवंशी ने महज 14 साल 32 दिन की उम्र में टी-20 में शतक लगाकर इतिहास रच दिया है।

इतना ही नहीं, अनकैप्ड बल्लेबाज की ओर से आईपीएल में सबसे तेज शतक लगाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में भी वैभव पहले नंबर पर हैं। उन्होंने प्रियांश आर्य के रिकॉर्ड को तोड़ा है, जिन्होंने इसी सीजन में 39 गेंद पर शतक लगाया था। वैभव ने सबसे तेज फिफ्टी बनाने वाले युवा बल्लेबाज का रिकॉर्ड भी अपने नाम किया है। वैभव ने महज 17 गेंदों पर 50 रन बनाए हैं। साथ ही 14 साल के वैभव आईपीएल की एक पारी में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले भारतीय बल्लेबाजों की लिस्ट में पहले नंबर पर आ गए हैं। वैभव सबसे कम उम्र के खिलाड़ी हैं, जिन्होंने 101 रनों की पारी में 11 छक्के लगाए। साथ ही वह एक आईपीएल पारी में राजस्थान रॉयल्स की ओर से सर्वाधिक छक्के लगाने वाले बल्लेबाज भी बन गए हैं। पिछले साल, वैभव आईपीएल नीलामी में खरीदे जाने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए थे, जब उन्हें राजस्थान रॉयल्स ने 1.1 करोड़ रुपए में खरीदा था।

सचिन तेंदुलकर ने बताई वैभव सूर्यवंशी की विस्फोटक बैटिंग की रेसिपी

बेजोड़ खेल में इन 4 चीजों का दिखा मेल

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2025 के 47वें मैच में जयपुर में रनों की बारिश देखने को मिली. राजस्थान रॉयल्स के 14 साल के सलामी बल्लेबाज ने आईपीएल के इतिहास का दूसरा सबसे तेज शतक जड़कर गुजरात टाइटंस के बड़े स्कोर को बौना साबित कर दिया. पहले बल्लेबाजी करते हुए गुजरात टाइटंस की टीम ने 20 ओवर में 4 विकेट पर 209 रन बनाए. लक्ष्य का पीछा करने उतरी राजस्थान रॉयल्स की टीम ने 25 गेंद शेष रहते 8 विकेट से इस मैच को जीत लिया.

इस मैच के हीरो रहे 14 साल के वैभव सूर्यवंशी. जिन्होंने तूफानी शतक लगाकर गुजरात टाइटंस को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया. वैभव की इस शानदार पारी की तरीफ मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदलुकर ने भी की. महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर खुद को वैभव सूर्यवंशी की तारीफ करने से नहीं रोक पाए. उन्होंने वैभव की पारी का वीडियो शेयर करते सोशल मीडिया के अपने हैंडल पर लिखा, वैभव की निडर अप्रोच, बैट स्पीड, गेंद की लेंथ को जल्दी समझना और बॉल की एनर्जी को ट्रांसफर करने की काबिलियत उनकी इस शानदार पारी का राज है. अंत में नतीजा 38 गेंदों पर 101 रन, बहुत बढ़िया खेल.

यमुना प्राधिकरण की औद्योगिक-टॉय पार्क प्लॉट योजना में गड़बड़ी, साढ़े चार साल बाद 16 आवंटन रद्द

नईदिल्ली , एजेंसी।
यमुना प्राधिकरण ने सेक्टर-33 में औद्योगिक और टॉय पार्क की योजना में गड़बड़ी सामने आने पर 16 आवंटियों के प्लॉट आवंटन निरस्त कर दिए हैं। एक से अधिक प्लॉट आवंटन के मामले में यह कार्रवाई की गई।

यमुना प्राधिकरण ने वर्ष 2020 में औद्योगिक और टॉय पार्क के लिए कुल 855 प्लॉटों की योजना निकाली थी। सेक्टर-29 में औद्योगिक पार्क के लिए 712 और सेक्टर-33 में टॉय पार्क के लिए 143 प्लॉट थे। इन दोनों योजना में कुल 2785 आवेदन प्राप्त हुए। वेरिफिकेशन में 2290 आवेदन पत्र योग्य और 495 अयोग्य मिले। 9 अक्टूबर 2020 को योजना के तहत 855 प्लॉटों के लिए ड्रॉ की प्रक्रिया हुई। इसमें 700 आवेदन सफल हुए। ड्रॉ की तिथि पर ही प्राधिकरण को एक ही परिवार के एक से अधिक आवेदन सफल होने की सूचना मिली। ऐसे में 43 आवंटनों को जांच के घेरे में रखा गया।

एसीईओ की अध्यक्षता में सात सदस्यीय समिति का गठन कर जांच

कराई गई। इसमें पाया गया कि 43 आवंटनों में से एक आवंटी ने पूर्व में ही प्लॉट सरेंडर कर दिया था। 42 आवंटनों में से कुल 16 आवंटन एक ही परिवार के हैं। यह योजना के नियम और शर्तों के अनुसार मल्टीपल अलॉटमेंट की श्रेणी में आते हैं। समिति की रिपोर्ट के आधार पर इन आवंटनों को अब निरस्त कर दिया गया है।

इस तरह से पकड़ में आया मामला केएल वेजिटेबल ऑयल प्रोडेक्ट प्राइवेट लिमिटेड कंपनी की ओर से अमित अग्रवाल ने आवेदन किया था। इन्हें सेक्टर-29 में दो हजार वर्गमीटर का प्लॉट नंबर ए-179 आवंटित हुआ। इनके शेयर होल्डर्स में विजय कुमार अग्रवाल का अंशदान 16.73 प्रतिशत, रविंद्र अग्रवाल का 17.43 प्रतिशत, विरेंद्र का 16.21 प्रतिशत, अमित अग्रवाल का 15.04 और शम्मी अग्रवाल का 13.61 और संजीव अग्रवाल का 15.65 प्रतिशत दिखाया गया था। जांच में पाया गया कि फर्म के कुल 28 अंशधारकों में से छह अंशधारकों की 90 प्रतिशत शेयर होल्डिंग है। ये मैसर्स रविंद्र ऑयल एंड गीनिंग मिल्स के साझेदार हैं। अर्थात एक कंपनी के हैं। शेयर धारक दूसरी संस्था में भी साझेदार हैं। ऐसे में प्राधिकरण ने इसे मल्टीपल आवंटन का केस मानते हुए प्लॉट का आवंटन निरस्त कर दिया। इसी तरह की गड़बड़ी अन्य 15 मामलों में भी मिली है।

आवासीय योजना में गड़बड़ी हो चुकी यमुना प्राधिकरण की पिछले वर्ष जुलाई में 361 आवासीय प्लॉटों की योजना आई थी। योजना में दो लाख से अधिक लोगों ने आवेदन किया था। इनमें 10 प्लॉट पर व्यावसायिक आरक्षण का लाभ मिलना था। इस श्रेणी में 10 आवेदकों ने आवंटित किए क्योस्क (व्यावसायिक श्रेणी) का कंपलीशन सर्टिफिकेट मई से लेकर जुलाई महीने की अलग-अलग तारीख में जारी कर लिया, जबकि मौके पर कोई निर्माण नहीं हुआ था। मामले का खुलासा होने के बाद प्राधिकरण ने इन सभी 10 क्योस्क के आवंटियों के कंपलीशन सर्टिफिकेट को अवैध करार दिया था। प्लॉट में आरक्षण के लिए अयोग्य भी कर दिया गया था। प्राधिकरण इन आवंटियों की जमा राशि में से 20 प्रतिशत काटकर बाकी रकम वापस करेगा।

धर्म में क्यों बांट रहे हो;दिल्ली के स्कूली शिक्षक ने ऐसा क्या कहा? सिरसा हुए नाराज

नईदिल्ली , एजेंसी। दिल्ली के मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा आज छतरपुर के स्कूल का निरीक्षण करने गए थे। उनके साथ दक्षिण दिल्ली से बीजेपी सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी भी थे। इस दौरान एक ऐसा वाक्या हुआ कि सिरसा और बिधूड़ी दोनों ने आपत्ति जताई। दरअसल वहां पास खड़े टीचर ने स्कूल को पक्का कराने के मांग की और बोल पड़ा कि यहां पढ़ रहे हिंदू बच्चों को दिक्कत होती है। इतना सुनते ही दोनों नेता भड़क गए। उन्होंने कहा कि इन्हें धर्म में क्यों बांट रहे हो? बाद में उसने गलती का अहसास होने पर माफी मांगी। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिरसा और बीजेपी सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी के साथ छतरपुर के संजय कॉलोनी सीनियर सेकेंडरी स्कूल गए। वहां स्कूल स्टाफ भी साथ था। दोनों नेता निरीक्षण कर रहे थे,आपस में स्कूल के रखरखाव पर चर्चा कर रहे थे। तभी वहां खड़े स्कूल स्टाफ के एक शख्स ने दरख्वास्त की कि साहब यहां पक्की बिल्डिंग बनवाइए,70 सालों से यहां जो हमारे हिंदू बच्चे पढ़ रहे हैं,उनके लिए पीएम श्री या सीएम श्री जैसा कुछ करिए। इतना बोलते ही रामवीर सिंह बिधूड़ी और मनजिंदर सिरसा ने कहा कि हिंदू नहीं सभी के बच्चे हैं,इन्हें धर्म में क्यों बांट रहे हो? इतना सुनते ही व्यक्ति को अहसास हुआ और उसने कहा कि हमें लगा कि यहां पाकिस्तान के हिंदू बच्चे भी पढ़ते हैं? दोनों बीजेपी नेताओं ने कहा कि नहीं,यहां हिदुओं के अलावा और भी धर्मों के बच्चे पढ़ते हैं।

छत्तीसगढ़ शराब घोटाला: आप किसी इंसान को कस्टडी में रखकर उसे असल में दंडित कर रहे हैं

सुप्रीम कोर्ट ने सरकार से कहा

नईदिल्ली , एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने छत्तीसगढ़ में 2000 करोड़ रुपये के कथित शराब घोटाले में दो जमानत याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए सोमवार को राज्य सरकार की खिंचाई की। सुप्रीम कोर्ट ने पूछा कि वह एक आरोपी को कब तक जेल में रखेगी। जस्टिस अभय एस. ओका और जस्टिस उज्ज्वल भुइयां की बेंच ने कहा कि इस मामले में तीन चार्जशीट दाखिल कर दी गई हैं और जांच अब भी जारी है। बेंच ने मौखिक रूप से टिप्पणी करते हुए कहा, जांच अपनी गति से चलेगी। यह अनंत काल तक चलती रहेगी। तीन चार्जशीट दाखिल की जा चुकी हैं। आप किसी व्यक्ति को हिरासत में रखकर उसे वास्तव में दंडित कर रहे हैं। आपने प्रक्रिया को ही सजा बना दिया है। यह कोई आतंकवादी या ट्रिपल मर्डर का मामला नहीं है।

राज्य सरकार की ओर से पेश हुए वरिष्ठ वकील महेश जेठमलानी ने जमानत याचिकाओं का विरोध किया और कहा कि आरोपी का मामले में अन्य आरोपियों के साथ आमना-सामना कराया जाना है।

वहीं, आरोपियों की ओर से वरिष्ठ वकील सिद्धार्थ अग्रवाल ने दलील दी कि इस मामले में तीन चार्जशीट दाखिल किए जा चुके हैं और अभी आरोप तय होना बाकी है। अग्रवाल ने कहा, मुझे (याचिकाकर्ता को) तीन लोगों के साथ गिरफ्तार किया गया था। सरकारी कर्मचारियों समेत छह लोगों को जमानत मिल गई है, 457 गवाह हैं। जांच अब भी जारी है।

सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं अरविंद सिंह और अमित सिंह का पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा से सामना कराने की अनुमति दे दी और मामले की अगली सुनवाई के लिए 9 मई की तारीख तय की है।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आरोप लगाया है कि इस घोटाले को राज्य सरकार के उच्च-स्तरीय अधिकारियों, निजी व्यक्तियों और राजनीतिक लोगों के एक सिंडिकेट द्वारा अंजाम दिया गया था, जिसने 2019-22 में 2,000 करोड़ रुपये से अधिक रकम अर्जित की गई। मनी लॉन्ड्रिंग का यह मामला 2022 में दिल्ली की एक अदालत में दायर आयकर विभाग के आरोपपत्र से निकला है। ईडी के अनुसार, शराब बनाने वालों से रिश्वत ली गई।

ताकि वे एक कार्टेल बना सकें और बाजार में एक निश्चित हिस्सा हासिल कर सकें।

पत्नी से अवैध संबंध के शक में की थी साथी की हत्या, दिल्ली की अदालत ने दी उम्रकैद

नईदिल्ली , एजेंसी। दिल्ली की तीस हजारी कोर्ट ने अपने सहकर्मी की हत्या करने के दोषी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। दोषी को कथित तौर पर अपनी पत्नी और मृतक के बीच अवैध संबंध होने का शक था। हत्या की यह वारदात अगस्त 2019 में राजौरी गार्डन इलाके की एक फैक्ट्री में हुई थी। दोषी ने हत्या का हादसा दिखाने के लिए इसे बिजली के करंट से मौत का रंग देने की कोशिश की थी।

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश (पश्चिम) विनोद कुमार की अदालत ने 28 अप्रैल को दिए अपने फैसले में शकील अहमद की हत्या के अपराध में नौशाद आलम को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। इसके अलावा, कोर्ट ने सबूत नष्ट करने के लिए उसे एक साल के कारावास की सजा भी सुनाई। कोर्ट ने परिस्थितिजन्य साक्ष्य और गवाहों, विशेषकर फैक्ट्री मालिक सुमित अरोड़ा की गवाही के आधार पर आरोपी नौशाद आलम को दोषी ठहराया। आरोपी को दोषी ठहराते हुए अदालत ने गवाहों के बयान भी दर्ज किए। अदालत ने कहा, यह भी साफ है कि यह बिजली के करंट से मौत का मामला नहीं है। कोर्ट ने अपने फैसले में कहा, चोटें कई हैं और इसलिए, यह स्पष्ट है कि यह हत्या का मामला है क्योंकि ऐसा लगता है कि शकील अहमद की हत्या करने के इरादे से चोटें पहुंचाई गई थीं और इसलिए यह मामला आईपीसी की धारा 300 के तहत परिभाषित हत्या की परिभाषा के अंतर्गत आता है, जो आईपीसी की धारा 302 के तहत दंडनीय है। कोर्ट ने कहा कि गवाहों के बयान से पता चलता है कि बचाव पक्ष ने इस बात पर विवाद नहीं किया है कि यह मृतक के सिर पर किसी भारी वस्तु से चोट लगने से हुई मौत का मामला है। एडिशनल पब्लिक प्रॉसिक्यूटर अतुल श्रीवास्तव ने तर्क दिया कि अवैध संबंध एक ठोस मकसद है, जिसने आरोपी को यह अपराध करने के लिए उकसाया। इसलिए, अदालत से यह प्रार्थना है कि आरोपी को दोषी ठहराया जाए। अदालत ने इस दलील को अपराध के मकसद के रूप में खारिज कर दिया।

स्वावलंबन एवं नारी सशक्तिकरण का अनूठा प्रयास

महू। नारी सशक्तिकरण के लिए क्षेत्र में कई वर्षों से निरंतर कार्य कर रही स्वावलंबी मातृ सृजन सामाजिक एवं महिला कल्याण संस्था, महू के द्वारा दो दिवसीय बेकिंग कार्यशाला आयोजित की गई। बेकिंग कार्यशाला में महिलाओ ने भिन्न-भिन्न प्रकार के केक एवं कुकीज बनाना सीखा, प्रशिक्षण के लिए संस्था द्वारा इंदौर से संस्कृती अग्रवाल को प्रशिक्षक के रूप में बुलाया गया था, क्षेत्र की महिलाओं ने उत्साह पूर्वक एवं बढ़चढ़ कर कार्यशाला में भाग लिया।

संस्थाध्यक्ष साधना शर्मा ने बताया कि वर्तमान

में बेकिंग शाला क्षेत्र में दो स्थान शांतिनगर, महूगांव एवं चिनार पार्क, किशनगंज में आयोजित की गई जिसका उद्देश्य क्षेत्र की प्रत्येक महिला को स्वावलंबी बनाना है जिसके लिए वें प्रति वर्ष सृजन मेला, कड़ाई - बुनाई, मेहंदी, मसाले, मेकअप आदि की कार्यशाला का आयोजन करती है जिसमें क्षेत्र की महिलाएं बड़े ही उत्साह के साथ बढ़ चढ़कर भाग लेती है। कार्यशाला में मुख्य रूप से ममता कौशल, मोनिका कौशल, आर्ची नायक, नीता सोनी, अम्बिका तिरोले, राजश्री गर्ग, अंकिता शर्मा आदि ने अपनी सहभागिता देकर आयोजन को पूर्ण रूप से सफल बनाया।